प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2017–2018
महाकाव्य एवं गीतिकाव्य

पूर्णांकं : 30
न्यूनतम :12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 गीतिकाव्य परम्परा में मेघदूत का स्थान निरूपित कीजिए।
प्रश्न–2 पूर्वमेघ में यक्ष द्वारा निर्देशित मार्ग का वर्णन कीजिए।
प्रश्न–3 मेघदूत के आधार पर कालिदास के प्रकृति–चित्रण की विवेचना कीजिए।
प्रश्न–4 यक्षिणी के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
प्रश्न–5 नैषध के आधार पर नल के चरित्र की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए।

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2017–2018
गद्य पद्य तथा चम्पू

पूर्णांकं : 30
न्यूनतम :12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 'गद्य कवीनां निकषं वदन्ति' कथन की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न–2 महाश्वेता वृतान्त का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।
प्रश्न–3 दण्डी की गद्य शैली का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
प्रश्न–4 ''बाणभट्ट का संस्कृत गद्य साहित्य में सर्वोच्च स्थान है'' समीक्षा कीजिए।
प्रश्न–5 चम्पू काव्य परम्परा में नलचम्पू का स्थान निरूपित कीजिए।

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2017–2018
नाटक एवं नाटयशास्त्र

पूर्णांकं : 30
न्यूनतम :12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 संस्कृत नाटकों की विशेषताएँ लिखिए।
प्रश्न–2 बसन्तसेना का चरित्र–चित्रण कीजिए।
प्रश्न–3 नाट्यशास्त्र के महत्व को प्रकाशित कीजिए।
प्रश्न–4 संस्कृत साहित्य के प्रमुख नाटककारों का परिचय दीजिए।
प्रश्न–5 दशरूपक के प्रतिपाद्य विषय पर लेख लिखिए।

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत वर्ष 2017–2018
विशेष कवि कालिदास

पूर्णांकं : 30
न्यूनतम :12

नोट :– सभी प्रष्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रष्नों के अंक समान है ।

प्रश्न–1 रघुवंश द्वितीय सर्ग के आधार पर राजा दिलीप की गौ–सेवा का वर्णन कीजिए।
प्रश्न–2 महाकाव्य के लक्षण के आधार पर रघुवंश का महाकाव्यत्व प्रमाणित कीजिए।
प्रश्न–3 कालिदास के महाकाव्यों में प्रकृति चित्रण की बहुलता दृष्टिगोचर होती है समीक्षा कीजिए।
प्रश्न–4 ''उपमा कालिदासस्य'' कथन की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न–5 ''मालविकाग्निमित्रम्' के आधार पर मालविका का चरित्र–चित्रण कीजिए।